

◆  
透  
视  
本  
◆

出佛出道  
亦马亦牛

何须千手千眼  
转虚宇宙

# 孔孚诗

山东文艺出版社

图书在版编目 (CIP) 数据

孔孚. 诗 / 孔孚著. — 济南: 山东文艺出版社,  
2001.6

(透视本)

ISBN 7-5329-1935-8

I. 孔... II. 孔... III. 诗歌—作品集—中国—当代  
IV. I217.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2001) 第 038962 号

特约编辑: 魏永年

责任编辑: 韩济平

装帧设计: 韩济平

山东文艺出版社出版

(济南经九路胜利大街)

山东省新华书店发行

山东新华印刷厂临沂厂印刷

\*

965 × 1270 毫米 32 开本 8.5 印张 8 插页 251 千字

2001 年 6 月第 1 版 2001 年 6 月第 1 次印刷

印数 1—3000

定价: 26.00 元

## 题己\*（代序）

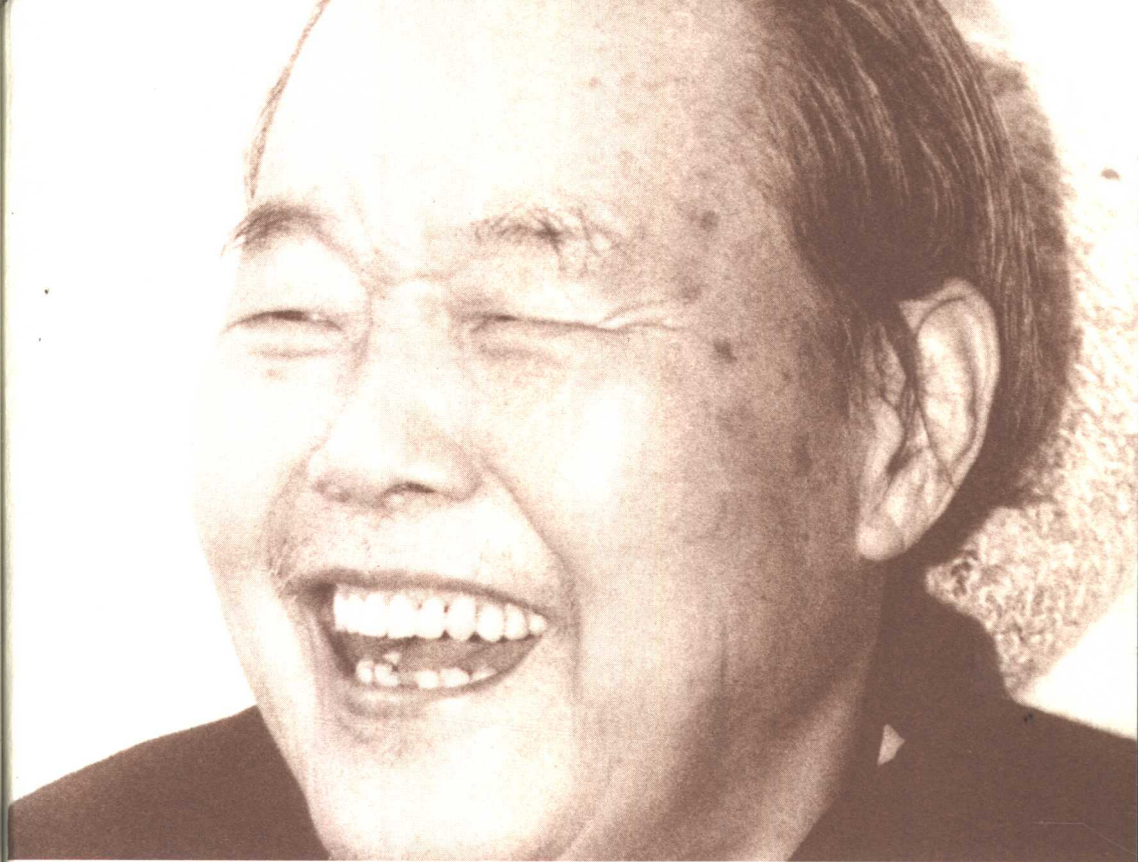
出佛出道  
亦马亦牛

何须千手千眼  
转虚宇宙

---

\* 作者于一九八七年。

2-10/10/



## 目 录

| 标题       | 手稿 | 印稿 |
|----------|----|----|
| 题己（代序）   |    |    |
| 无题       | 1  | 3  |
| 夏日青岛印象   | 4  | 8  |
| 天胜寨遗址一瞥  | 9  | 10 |
| 百丈崖听瀑    | 11 | 13 |
| 春日远眺佛慧山  | 14 | 16 |
| 飞雪中远眺华不注 | 19 | 21 |
| 九顶塔下     | 22 | 25 |
| 乾陵       | 26 | 31 |
| 兵马俑一号坑即景 | 32 | 34 |
| 陶盆中的鱼    | 35 | 37 |
| 香积寺路上    | 38 | 39 |
| 黄山莲花峰顶小憩 | 40 | 42 |
| 湖畔       | 43 | 48 |
| 大明湖一瞥    | 49 | 50 |
| 再谒黄陵     | 51 | 55 |

## 目录

| 标题          | 手稿  | 印稿  |
|-------------|-----|-----|
| 峨眉白水普贤寺普贤白  |     |     |
| 象下小立        | 56  | 58  |
| 古德林漫步       | 59  | 62  |
| 大峨、中峰寺途中闻山潮 | 63  | 65  |
| 过洪椿坪枯株下小立   | 66  | 69  |
| 过洪椿坪洪椿下小立   | 70  | 72  |
| 洪椿坪大雄宝殿千佛莲  |     |     |
| 灯下小立        | 73  | 75  |
| 过莲花寺遗址      | 76  | 78  |
| 白云寺         | 79  | 81  |
| 夜宿洗象池       | 82  | 85  |
| 象池夜月        | 86  | 88  |
| 过雷洞坪        | 89  | 94  |
| 过阎王碛与死神攀谈   | 95  | 98  |
| 雷洞坪绝壁小立一瞥   | 99  | 101 |
| 我听见接引佛说     | 102 | 105 |

## 目录

| 标题        | 手稿  | 印稿  |
|-----------|-----|-----|
| 神笔岩下      | 106 | 108 |
| 圣钟岩下      | 109 | 111 |
| 云窝一瞥      | 112 | 114 |
| 卧云卧云庵     | 115 | 118 |
| 金顶品茗      | 119 | 122 |
| 夜宿金顶      | 125 | 127 |
| 岩壁上一只佛现鸟  | 128 | 131 |
| 金顶宝光      | 132 | 134 |
| 千佛顶夜立望万佛顶 | 135 | 136 |
| 华严顶小立     | 137 | 139 |
| 华严顶当风     | 140 | 142 |
| 夜宿息心所     | 143 | 145 |
| 息心所闻晨钟    | 146 | 148 |
| 峨眉风       | 149 | 152 |
| 峨眉白风      | 153 | 155 |
| 峨眉月       | 156 | 158 |

## 目 录

| 标题                         | 手稿  | 印稿  |
|----------------------------|-----|-----|
| 峨眉月                        | 159 | 161 |
| 峨眉秋深                       | 162 | 164 |
| 峨眉雪晴                       | 165 | 168 |
| 峨眉雪晴                       | 169 | 170 |
| 峨眉雪晴                       | 171 | 172 |
| 峨眉雪晴                       | 173 | 174 |
| 云迷万佛顶                      | 175 | 177 |
| 上胡僧梯                       | 178 | 180 |
| 戊辰暮春与《运河笔会》诸<br>诗友共饮高沟酒厂醉书 | 181 | 185 |
| 醉宝应                        | 186 | 188 |
| 扬州                         | 189 | 191 |
| 扬州三瞥                       | 192 | 194 |
| 扬州印象                       | 195 | 196 |
| 扬州的风                       | 197 | 199 |
| 扬州雨                        | 200 | 202 |

## 目 录

| 标题                | 手稿  | 印稿  |
|-------------------|-----|-----|
| 扬州的花              | 203 | 205 |
| 瘦西湖听鹂馆小坐          | 206 | 208 |
| 蜀岗平山堂后石涛<br>埋骨处默立 | 209 | 212 |
| 过扬州               | 213 | 215 |
| 下扬州               | 216 | 218 |
| 烟雨瓜洲古渡小立          | 219 | 221 |
| 大明寺平远楼前琼<br>花下默立  | 222 | 224 |
| 伊犁河落日             | 225 | 247 |
| 伊犁河落日             |     | 248 |
| 伊犁河落日             |     | 249 |
| 戈壁落日              | 250 | 251 |
| 大漠落日              | 254 | 257 |
| 大漠落日              | 258 | 259 |
| 大漠落日              | 260 | 261 |
| 大漠落日              | 262 | 263 |

4)

५५

1/20 75

即不做大声欢笑  
也若有在堂儿家

13113

~~我愛你~~

45. 1 45. 1  
 3 45. 1 45. 1  
 45. 1 45. 1  
 45. 1 45. 1

# 海 呵

即便大声哗笑，  
也看出有点儿寂寞。

海呵，……

究竟为了什么！

王蒙  
改

题

手稿

2

1981.8.7

## 无题

即便大声哗笑  
也看出有点儿寂寞

海呵

# 夏日青岛印象

1

夏天的太阳，  
秋天的风。  
沙滩上裸全世界的肤色，  
崂山开矿泉水一瓶。

2

青岛的风，

经过过滤，

玻璃似的。

人，

游在街道上，

像鱼。

3

雪杉拍击绿浪，  
泅泳着的楼群。  
没有一条平直的路，  
到处是海的声音。

4

一个绿衣服的小姑娘，  
伏身摆一块蓝色手帕。

眼睛一亮，  
礁岩上的画家。

5

水滴。  
脚印。

隆起的乳房。

黝黑的笑。  
阳伞。

2

嘴唇是咸的。  
心是甜的。

4张  
5

贴贴实实，  
往沙滩上一躺。

伸出腿，  
让太阳着色。

6

灯的漩涡，  
连着银河。

3

风栖息在礁上，  
大海发出鼾声。

夜，  
一针一针地缝

情侣，  
覆满露珠的爱情。

毛毯。  
枕上涛声。

震撼着的梦。

1981.8.6日

孔平诗

夏

日

青

岛

印

象

王瑞

7

## 夏日青岛印象

1

青岛的风  
玻璃似的

人游在街道上  
像鱼

2

唇是咸的  
心是甜的  
贴贴实实  
往沙滩上一躺

伸出腿  
让太阳着色

3

风栖息在礁岩上  
大海发出鼾声

夜  
一针一针地缝